

**अरेखित चेक** वि. (तत्.) वह चेक जिसे रेखांकित नहीं किया गया होद्य *uncrossed cheque*

**अरेणु** वि. (तत्.) जिसे धूलि न लगी हो, जिसका धूलि से स्पर्श न हो, धूलि रहित।

**अरोक** वि. (तत्.) 1. जिसे रोका नहीं जा सकता 2. निर्बाध 3. प्रतिबंध रहित 4. जो रुक न पाए।

**अरोग** वि. (तत्.) रोगरहित, नीरोग, स्वस्थ पुं. आरोग्य, स्वस्थता।

**अरोगी** वि. (तत्.) जो रोगी न हो, स्वस्थ, रोगहीन।

**अरोचक** पुं. (तत्.) एक रोग जिसमें अन्न आदि में स्वाद नहीं आता, अग्निमांद्य वि. 1. जो रुचिकर न हो, जिसमें रुचि न हो 2. जो चमकदार न हो, 3. भूख मंद करनेवाला।

**अरोचकी** वि. (तत्.) मंदाग्नि रोग से पीड़ित।

**अरोड़ा** पुं. (तत्.) पंजाब की एक हिंदू उपजाति।

**अरोध्य** वि. (तत्.) 1. जो रोकने योग्य नहीं है, अबाधित, निर्बाध। 2. जिसे रोकना उचित न हो।

**अरोमिल** वि. (तत्.) 1. रोम-रहित 2. बाल-रहित।

**अरोर** वि. (तत्.) शोर-रहित, शब्दरहित, शांत।

**अरोष** वि. (तत्.) रोषरहित, क्रोधहीन पु. क्रोध का अभाव, अक्रोध, शांति।

**अरौद्र** वि. (तत्.) 1. जो भयानक न हो 2. विष्णु का एक विशेषण।

**अर्क** पुं. (तत्.) 1. सूर्य 2. इंद्र 3. आक, मदार 4. अग्नि 5. भोजन 6. बिजली की चमक, कौंध, प्रकाश की किरण, चमक पुं. (अर.) किसी चीज का निचोड़ कर निकाला गया रस, किसी वस्तु का भभके से खींचा गया रस वि. (तत्.) पूजनीय, अर्चनीय।

**अर्ककांता स्त्री.** (तत्.) सूर्य की पत्नी, छाया एवं संज्ञा दोनों में से एक, सूर्य की दो पत्नियाँ मानी गई हैं- छाया और संज्ञा।

**अर्कचंदन** पुं. (तत्.) रक्तचंदन, लाल चंदन, 'चंदन' का एक प्रकार जिसकी लकड़ी लाल रंग की होती है।

**अर्कज** पुं. (तत्.) सूर्य पुत्र, कर्ण वि. सूर्य से उत्पन्न या पोषित, यम, सुग्रीव।

**अर्कपत्र** पुं. (तत्.) 1. अर्क वृक्ष 2. आक, मदार के पत्ते, अर्कपर्ण।

**अर्कपुत्र** पुं. (तत्.) सूर्य का पुत्र शनि, यम, सुग्रीव, कर्ण।

**अर्कपुत्री स्त्री.** (तत्.) सूर्य की पुत्री- यमुना, ताप्ती नदी।

**अर्कबंधु** पुं. (तत्.) 1. सूर्य के बंधु, गौतम 2. कमल।

**अर्क-विवाह** पुं. (तत्.) मदार वृक्ष के साथ किया गया तीसरा विवाह। टि. जिसकी पत्नी जीवित नहीं रहती है और बार-बार विवाह करता है तो तीसरा विवाह पहले मदारवृक्ष से करने का विधान किया गया है ताकि भावी पत्नी उसकी चौथी पत्नी हो और पुनः पत्नी वियोग का दुख न हो।

**अर्कव्रत** पुं. (तत्.) सूर्य संबंधी व्रत, जो सूर्य के जन्म-दिन माघ शुक्ल सप्तमी से प्रारंभ करके एक वर्ष तक प्रत्येक षष्ठी, सप्तमी तिथि को किया जाता है।

**अर्कीय** पुं. (तत्.) 1. अर्क से संबंधित 2. पूज्य।

**अर्कदुसगम** पुं. (तत्.) 1. सूर्य और चंद्रमा के मिलन का दिन 2. अमावस्या की तिथि।

**अर्कोपल** पुं. (तत्.) सूर्यकांतमणि, लाल, पद्म राग (मणि)

**अर्ग** पुं. (तत्.) भौ. सेंटीमीटर-ग्राम-सेंकड पद्धति में ऊर्जा या कार्य का मात्रक टि. इसके स्थान पर आजकल 'जूल' प्रयुक्त होता है।

**अर्गट** पुं. (तत्.) राई, बाजरे आदि का कवक रोग, जिसमें बीज कठोर काले दानों का रूप ले लेते हैं।